ShaneNabi.In

Best Sunni Islamic Website

(बेस्ट सुन्नी इस्लामिक वेबसाईट)

चाँद अजमेर में कितना रौशन हुआ ख़्वाजा-ए-ख़्वाजगाँ की छटी आ गई

(हिन्दी नात लीरिक्स)

लिखा है (लेखक): अल्लामा निसार अली उजागर

सोशल नेटवरकस पर हमें फ़ॉलो करें:

https://youtube.com/@shanenabi

https://www.facebook.com/shanenabi.in

https://www.instagram.com/shanenabi.in

https://twitter.com/ShaneNabi_In

अधिक लीरिक्स और इस्लामी सामग्री के लिए कृपया हमारी वेबसाईट https://shanenabi.in पर जाये

यह लीरिक्स https://shanenabi.in से डाउनलोड/प्रिंट किया गया है

सहायता/अनुरोध के लिए support@shanenabi.in पर हमसे संपर्क करें

ख़्वाजा ! ख़्वाजा ! ख़्वाजा ! ख़्वाजा !

किश्त-ए-दीदा-ओ-जाँ लहलहाने लगी
मेरे दिल की ज़मीं मुस्कुराने लगी
इश्क़-ए-ख़्वाजा के पौधे शजर बन गए
धरती अजमेर की जगमगाने लगी

ख़्वाजा पिया ! ख़्वाजा पिया !
ख़्वाजा पिया ! ख़्वाजा !

चाँद अजमेर में कितना रौशन हुआ
ख़्वाजा-ए-ख़्वाजगाँ की छटी आ गई
कुफ़्र-ओ-ज़ुल्मत का बादल ख़ुद ही छट गया
ख़्वाजा-ए-ख़्वाजगाँ की छटी आ गई

ख़्वाजा-ए-ख़्वाजगाँ की छटी आ गई
ख़्वाजा-ए-ख़्वाजगाँ की छटी आ गई

चिश्तियों के घरों में ख़ुशी आ गई
ऐसा लगने लगा ज़िंदगी आ गई
चेहरा चेहरा खिला, दिल भी कहने लगा
ख़्वाजा-ए-ख़्वाजगाँ की छटी आ गई

ख़्वाजा-ए-ख़्वाजगाँ की छटी आ गई
ख़्वाजा-ए-ख़्वाजगाँ की छटी आ गई

आए दरबार में ले के कश्कोल हम
कर दो, कर दो करम, रख लो सब का भरम
तेरे दर से न मायूस कोई गया
ख़्वाजा-ए-ख़्वाजगाँ की छटी आ गई

© ShaneNabi.In

ख़्वाजा-ए-ख़्वाजगाँ की छटी आ गई
ख़्वाजा-ए-ख़्वाजगाँ की छटी आ गई

हर जगह तेरी 'इज़्ज़त का शोहरा हुआ
लाडला तू नबी का, हसन संजरी !
इब्न-ए-ज़ेहरा है तू, हसनी शजरा तेरा
ख़्वाजा-ए-ख़्वाजगाँ की छटी आ गई

ख़्वाजा-ए-ख़्वाजगाँ की छटी आ गई
ख़्वाजा-ए-ख़्वाजगाँ की छटी आ गई

आज अजमेर क्या ! सारी दुनिया में ही
ख़्वाजा-ए-चिश्त की महफ़िलें सज गईं
है उजागर समाँ, ख़ूब लंगर हुआ
ख़्वाजा-ए-ख़्वाजगाँ की छटी आ गई

ख़्वाजा-ए-ख़्वाजगाँ की छटी आ गई
ख़्वाजा-ए-ख़्वाजगाँ की छटी आ गई

© ShaneNabi.In